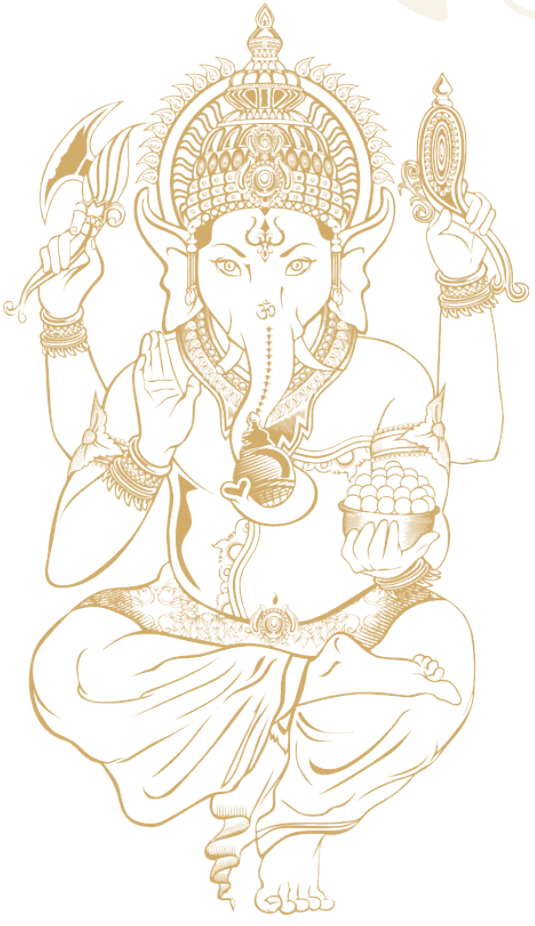

Deepak Kumar

08 May 1998

04:55 AM

Panipat

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121620303

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
7-08/05/1998	जन्म तिथि	**08/05/2026**
गुरु-शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 04:55:00	जन्म समय	09:27:11 घंटे
घटी 58:17:41	जन्म समय(घटी)	09:40:25 घटी
India	देश	India
Panipat	स्थान	Panipat
उत्तर 29:24:00	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
पूर्व 76:58:00	रेखांश	76:58:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:35:55	सूर्योदय	05:35:00
19:02:34	सूर्यास्त	19:02:42
23:49:54	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:36
मेष	लग्न	मिथुन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	मकर
बुध	राशि-स्वामी	शनि
हस्त	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
2	चरण	3
वज्र	योग	शुभ
बालव	करण	वणिज
ष-षडबली	जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	नकुल
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	सिंह
28	गत/तत्कालिक वर्ष	29

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
अश्विनी	3	09:26:31	मेष		
भरणी	4	23:21:39	मेष		
हस्त	2	13:35:25	कन्या		
भरणी	4	24:32:09	मेष		अ
रेवती	4	27:04:03	मीन		
पू०भाद्रपद	3	27:00:53	कुंभ		
उ०भाद्रपद	3	10:52:41	मीन		
अश्विनी	1	02:34:26	मेष		
पू०फाल्गुनी	1	14:24:08	सिंह	व	
शतभिषा	3	14:24:08	कुंभ	व	
श्रवण	3	18:52:24	मक		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मिथु	20:22:43	1	पुनर्वसु
सूर्य			मेष	23:21:39	4	भरणी
चंद्र			मक	04:00:53	3	उत्तराषाढ़ा
मंगल		अ	मीन	27:37:08	4	रेवती
बुध		अ	मेष	15:51:07	1	भरणी
गुरु			मिथु	25:44:10	2	पुनर्वसु
शुक्र			वृष	22:42:53	4	रोहिणी
शनि			मीन	15:42:35	4	उ०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	11:38:50	2	शतभिषा
केतु	व		सिंह	11:38:50	4	मघा
मु			सिंह	09:26:31	3	मघा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:36

लग्न-चलित

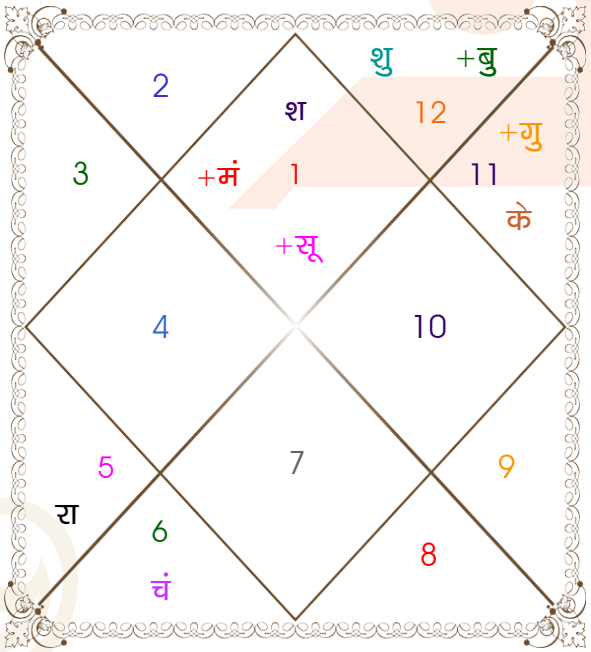

वर्ष लग्न कुंडली

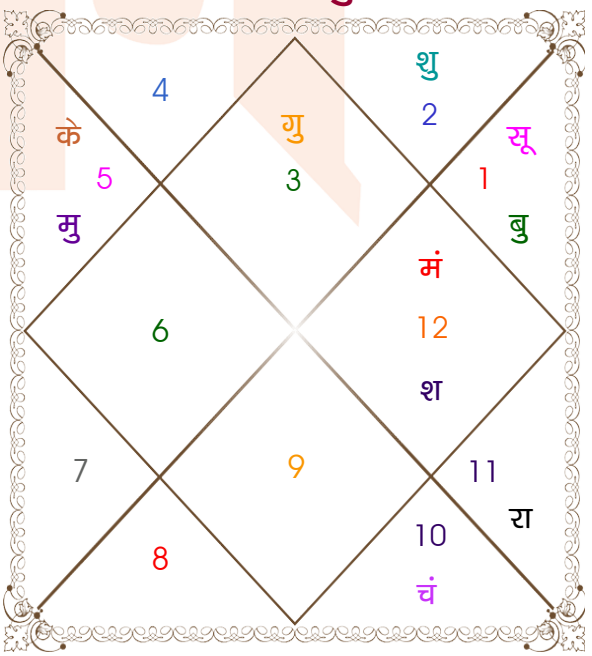

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शुक्र - शनि		राहु - शुक्र - बुध		राहु - शुक्र - केतु		राहु - सूर्य - सूर्य	
17/02/2026 15:55		10/08/2026 03:46		12/01/2027 09:19		17/03/2027 07:22	
10/08/2026 03:46		12/01/2027 09:19		17/03/2027 07:22		02/04/2027 17:50	
शनि	17/03/2026 03:11	बुध	01/09/2026 03:33	केतु	16/01/2027 02:48	सूर्य	18/03/2027 03:05
बुध	10/04/2026 17:04	केतु	10/09/2026 04:52	शुक्र	26/01/2027 18:28	चंद्र	19/03/2027 11:58
केतु	20/04/2026 19:58	शुक्र	06/10/2026 01:48	सूर्य	29/01/2027 23:11	मंगल	20/03/2027 10:58
शुक्र	19/05/2026 17:56	सूर्य	13/10/2026 20:05	चंद्र	04/02/2027 07:01	राहु	22/03/2027 22:08
सूर्य	28/05/2026 10:08	चंद्र	26/10/2026 18:32	मंगल	08/02/2027 00:30	गुरु	25/03/2027 02:44
चंद्र	11/06/2026 21:07	मंगल	04/11/2026 19:52	राहु	17/02/2027 14:36	शनि	27/03/2027 17:12
मंगल	22/06/2026 00:00	राहु	28/11/2026 02:42	गुरु	26/02/2027 03:09	बुध	30/03/2027 01:05
राहु	18/07/2026 00:35	गुरु	18/12/2026 19:26	शनि	08/03/2027 06:02	केतु	31/03/2027 00:05
गुरु	10/08/2026 03:46	शनि	12/01/2027 09:19	बुध	17/03/2027 07:22	शुक्र	02/04/2027 17:50

राहु - सूर्य - चंद्र		राहु - सूर्य - मंगल		राहु - सूर्य - राहु		राहु - सूर्य - गुरु	
02/04/2027 17:50		30/04/2027 03:17		19/05/2027 07:30		07/07/2027 14:54	
30/04/2027 03:17		19/05/2027 07:30		07/07/2027 14:54		20/08/2027 10:50	
चंद्र	05/04/2027 00:37	मंगल	01/05/2027 06:08	राहु	26/05/2027 17:01	गुरु	13/07/2027 11:10
मंगल	06/04/2027 14:58	राहु	04/05/2027 03:10	गुरु	02/06/2027 06:48	शनि	20/07/2027 09:43
राहु	10/04/2027 17:35	गुरु	06/05/2027 16:31	शनि	10/06/2027 02:10	बुध	26/07/2027 14:44
गुरु	14/04/2027 09:15	शनि	09/05/2027 17:23	बुध	17/06/2027 01:49	केतु	29/07/2027 04:06
शनि	18/04/2027 17:21	बुध	12/05/2027 10:35	केतु	19/06/2027 22:51	शुक्र	05/08/2027 11:25
बुध	22/04/2027 14:29	केतु	13/05/2027 13:26	शुक्र	28/06/2027 04:05	सूर्य	07/08/2027 16:01
केतु	24/04/2027 04:50	शुक्र	16/05/2027 18:08	सूर्य	30/06/2027 15:15	चंद्र	11/08/2027 07:41
शुक्र	28/04/2027 18:25	सूर्य	17/05/2027 17:09	चंद्र	04/07/2027 17:53	मंगल	13/08/2027 21:02
सूर्य	30/04/2027 03:17	चंद्र	19/05/2027 07:30	मंगल	07/07/2027 14:54	राहु	20/08/2027 10:50

राहु - सूर्य - शनि		राहु - सूर्य - बुध		राहु - सूर्य - केतु		राहु - सूर्य - शुक्र	
20/08/2027 10:50		11/10/2027 11:59		27/11/2027 01:39		16/12/2027 05:52	
11/10/2027 11:59		27/11/2027 01:39		16/12/2027 05:52		09/02/2028 00:46	
शनि	28/08/2027 16:37	बुध	18/10/2027 02:19	केतु	28/11/2027 04:30	शुक्र	25/12/2027 09:01
बुध	05/09/2027 01:34	केतु	20/10/2027 19:31	शुक्र	01/12/2027 09:12	सूर्य	28/12/2027 02:45
केतु	08/09/2027 02:26	शुक्र	28/10/2027 13:48	सूर्य	02/12/2027 08:12	चंद्र	01/01/2028 16:20
शुक्र	16/09/2027 18:38	सूर्य	30/10/2027 21:41	चंद्र	03/12/2027 22:33	मंगल	04/01/2028 21:02
सूर्य	19/09/2027 09:06	चंद्र	03/11/2027 18:49	मंगल	05/12/2027 01:24	राहु	13/01/2028 02:16
चंद्र	23/09/2027 17:11	मंगल	06/11/2027 12:01	राहु	07/12/2027 22:26	गुरु	20/01/2028 09:35
मंगल	26/09/2027 18:03	राहु	13/11/2027 11:40	गुरु	10/12/2027 11:48	शनि	29/01/2028 01:47
राहु	04/10/2027 13:26	गुरु	19/11/2027 16:41	शनि	13/12/2027 12:40	बुध	05/02/2028 20:04
गुरु	11/10/2027 11:59	शनि	27/11/2027 01:39	बुध	16/12/2027 05:52	केतु	09/02/2028 00:46

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा परिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ हैं। जिससे आपकी- विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रूचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।